हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शुक्रवार 6 फरवरी 2026

12 भाजपा के शासनकाल में रोजगार की गारंटी ...

12 पहले दिन घुसकानी ने लालावास की टीम को ...

खबर संक्षेप

बिजली सप्लाई आज 10 बजे से रहेगी बंद

भिवानी। सेक्टर 13 फीडर पर छह फरवरी शुक्रवार को आरडीएसएस स्कीम के चलते 11 केवी लाइन के तार बदलने का कार्य किया जाना हैं, जिसके चलते सेक्टर 13 फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र की बिजली सप्लाई सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक बंद रहेगी। यह जानकारी जेई पवन कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि तार बदलने के कार्य के चलते सेक्टर 13 फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र की बिजली सप्लाई सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक बंद रहेगी।

रोजगार मेला छह को रोजगार कार्यालय में

भिवानी। रोजगार विभाग द्वारा छह फरवरी को जिला रोजगार कार्यालय भिवानी में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी डा. कविता ग्रेवाल ने बताया कि इच्छुक प्रार्थी मेले में भाग लेकर रोजगार के अवसरों का फायदा उठा सकते है प्रार्थी को अपने रोजगार विभाग का पंजीकरण कार्ड व सभी ओरिजिनल दस्तावेज सहित 10:00 बजे जिला रोजगार कार्यालय भिवानी में उपस्थित होकर रोजगार मेले में भाग ले सकते है।

कैंसर पीड़ितों के लिए रक्तदान शिविर 14 को

भिवानी। पुलवामा शहीदों की स्मृति में कुंगड़ के गो उपचार केंद्र में 14 फरवरी शनिवार को प्रातः 9 बजे से दो बजे तक रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। ये शिविर कैंसर पीड़ितों के लिए शहीद भगत सिंह युवा द्वारा सहारा चेरिटेबल ट्रस्ट के मार्गदर्शन में लगाया जाएगा। आयोजक कुलवंत व सुरेंद्र कुंगड़ ने बताया कि रक्तदान शिविर में एम्स बाढ़सा झज्जर की टीम रक्त एकत्रित करेगी।

निजी कम्पनी की सर्वे रिपोर्ट ने कब्जाधारकों को दिखाया था प्रॉपर्टी मालिक

दो भाइयों के फैमिली विवाद का नजला 272 प्रॉपर्टी पर गिरा

- बवानीखेड़ा कस्बे में उक्त खसरे की जमीन की पीआईडी करीब 18 से 20 साल पहले बनी थी
- अब जिन लोगों की पीआईडी रद्द हुई है, उनमें से कुछ लोग तो 60-65 साल से काबिज हैं
- एक भाई ने वसीयत व दूसरे ने शपथ पत्र का हवाला देकर सम्पति पर अपना अधिकार जताया था।
- मामला नगरपालिका में पहुंचने पर कमेटी ने रिकार्ड की जांच की तो जमीन वक्फ बोर्ड की निकली
- फिलहाल इस मामले को लेकर कस्बे के लोगों की अटकी हुई हैं सांसें

दीपक कुमार डूमड़ा ▶▶| बवानीखेड़ा

शायद बचपन में दो बिल्ली व बंदर की कहानी सभी ने सुनी होगी,रोटियों के बटवारे के लिए बंदर के हाथ में तराजू थमाई थी,जिस तरफ रोटी का पलड़ा झुकता गया। उसी में से बंदर टुकड़ा तोड़कर खाता गया। आखिर में दोनों बिल्लियों को खाली ही लौटना पड़ा। इस तरह के मामले में तीसरे को फायदा होता है। ऐसा ही मामला बवानीखेड़ा में देखने को मिला। विगत में दो सगे भाइयों में एक प्रोपर्टी को लेकर विवाद हो गया। दोनों भाइयों ने उस प्रोपर्टी पर अपना अपना हक जताना आरंभ कर दिया। एक भाई ने वसीयत व दूसरे ने शपथ पत्र का हवाला देकर सम्पति पर अपना अधिकार जताया था। मामला नगरपालिका में पहुंचा और कमेटी ने रिकार्ड की जांच की तो जमीन वक्फ बोर्ड की निकली। वक्फ बोर्ड ने जमीन पर मालिकाना हक जताया और रिपोर्ट अम्बाला स्थित वक्फ बोर्ड मुख्यालय को भेज दिया। उसके बाद ही नगरपालिका ने बवानीखेड़ा की 272 प्रॉपर्टी की पीआईडी को रद्द कर दिया है। जिन लोगों की पीआईडी रद्द हुई है, उनमें से कई लोग तो 60-65 साल से काबिज है। कस्बे में उक्त खसरे की जमीन की पीआईडी करीब 18 से 20 साल पहले बनी थी।

पांच खसरों की जांच

बताते हैं कि प्रोपर्टी का मालिकाना हक वक्फ वोर्ड का होने के बाद कस्बे के लोगों में खलबली मच गई। अभी तक जिन प्रोपर्टी की पीआईडी रद्द हुई है,वे केवल पांच खसरों की ही है। इनके अलावा दो तीन खसरों की भूमि अभी बाकी है। इन खसरों में कितनी प्रोपर्टी की पीआईडी बनी है। वह तो कमेटी द्वारा राजस्व रिकार्ड की जांच के बाद ही पता चलेगा। उनको भी रद्द किया जा सकता है। फिलहाल इस मामले को लेकर कस्बे के लोगों की सांसे अटकी हुई है।

तीन खसरों की जांच जारी

नगरपालिका के सचिव संदीप गर्ग ने बताया कि करीब छह माह पहले दो भाइयों के प्रोपर्टी का विवाद आया था। एक वसीयत तो दूसरे शपथ पत्र के आधार पर उक्त प्रोपर्टी पर अपना हक जता रहा था। बाद में राजस्व रिकार्ड की जांच की तो जमीन वक्फ बोर्ड की निकली। वक्फ बोर्ड की शिकायत पर चार-पांच खसरों की प्रोपर्टी की पीआईडी रद्द की गई है। वक्त बोर्ड के दो तीन खसरों की जांच जारी है। उसमें क्या निकला है। यह तो जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी।

जनता के साथ नाइंसाफी नहीं होने देंगे : अत्री

नगरपालिक चेयरमैन सुंदर अत्री ने बताया कि पीआईडी रद्द करने के बारे में पूछे जाने पर चेयरमैन सुंदर अत्री ने बताया कि वक्फ बोर्ड की जमीन उलझी हुई है। वक्फ बोर्ड के अधिकारियों से मुलाकात करके मामले की तह तक जाएंगे। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि लोगों ने करीब 60-65 साल से आशियाना बनाया हुआ है। कुछ लोगों के पास उक्त भूमि का पट्टानामा भी है। कई लोगों ने फीस भी दी हुई है। पब्लिक अपनी जगह सही है। कस्बे की जनता के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। वे पहले भी और आगे भी जनता के साथ खड़े रहेंगे।

2000 के दशक में करवाया गया था सर्वे

बताते हैं कि बवानीखेड़ा ही नहीं, पूरे प्रदेश में 2000 के दशक में शहर व कस्बों में नगरपरिषद व नगरपालिका की जमीन की निजी कम्पनी यशी कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड से सर्वे करवाई गई थी। किस जगह पर किस व्यक्ति ने निर्माण किया हुआ है। कमेटी के रिकॉर्ड के अनुसार ही पूरे प्रदेश में सर्वे हुई थी। सर्वे में उस वक्त जिस जमीन पर जिस व्यक्ति का कब्जा था। उस व्यक्ति को ही मालिक बना दिया था। कमेटी ने भी उसी सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर उन्हीं लोगों को प्रोपर्टी का मालिक बनाकर नई पीआईडी तैयार की थी। अगर अब बवानीखेड़ा में दो भाइयों का विवाद नहीं उठता तो मामला भविष्य में भी फाइलों में ही दफन होकर रह जाता। अब राजस्व रिकार्ड के हिसाब से कस्बे के लोगों में प्रोपर्टी की पीआईडी रद्द होने को लेकर हायतौबा मच गई है।

चाइनीज मास्टरमाइंड के इशारे पर लाखों की ठगी करने वाला पकड़ा

भिवानी। थाना साइबर क्राइम पुलिस भिवानी ने विदेश में बैठे चाइनीस मास्टरमाइंड के कहने पर ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर आम नागरिकों से लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान करनाल के कर्ण के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से विभिन्न बैंकों के 11 एटीएम, पांच मोबाइल फोन बरामद किए है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शहर निवासी एक शिकायतकर्ता ने थाना साइबर क्राइम भिवानी में शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसमें उसने बताया कि वह एक लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में कार्यरत है।

12 जनवरी को उसके व्हाट्सएप पर पार्ट-टाइम जॉब/इन्वेस्टमेंट का मैसेज आया, जिसके बाद उसे एक टेलीग्राम लिंक भेजा गया। आरोपियों द्वारा उसे अलग-अलग टास्क के नाम पर 13 ट्रांजैक्शन के माध्यम से 6,56,517 रुपये इन्वेस्ट करवाए गए और बाद में धोखाधड़ी कर ली गई, शिकायत के आधार पर थाना साइबर क्राइम भिवानी में संबंधित धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया गया। पुलिस ने इस मामले में करनाल के कर्ण पुत्र राजीव को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट फ्रॉड की वारदात को कबूल किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से रिमांड अवधि के दौरान 11 एटीएम कार्ड, 5 मोबाइल फोन तथा 8,000 रुपये नकद बरामद किए गए।

2025 में हुआ था सम्पर्क

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ऑनलाइन गेम खेलने का आदी था और वर्ष 2025 में गेम के माध्यम से वह कंबोडिया गया, जहां उसका संपर्क चीनी नागरिकों से हुआ। उन्हीं के कहने पर उसने टेलीग्राम पर यूपीआई सिक्स नाम से ग्रुप बनाया और इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगी की रकम को एक खाते से दूसरे खाते में ट्रांसफर करता था। आरोपी ने यह भी स्वीकार किया कि वह युवाओं व पढ़ने वाले छात्रों को पैसों का लालच देकर उनकी आईडी, बैंक खाते व मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करता था।

युवक के कब्जे से मिली 6.92 हेरोइन, आरोपी के खिलाफ चार मामले दर्ज

भिवानी। एंटी नारकोटिक सेल भिवानी के सहायक उप निरीक्षक राजेश कुमार की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए युवक को 6.92 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक बलेनो कार में ग्राहक का इंतजार कर रहा था। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान सुनील उर्फ नीटू पुत्र मदनपाल निवासी धारवाणाबास के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर थाना बहल में मामला पंजीबद्ध किया गया है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह यह मादक पदार्थ ढाणी पीरावाली, जिला हिसार से खरीद कर लाया था। आरोपी के विरुद्ध पहले भी एनडीपीएस एक्ट, आबकारी अधिनियम तथा लड़ाई-झगड़े के कुल 04 मुकदमे दर्ज पाए गए हैं।

राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में जिले से 180 उत्तम नस्ल के पशु लेंगे भाग

भिवानी। पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग द्वारा 41वीं राज्य स्तरीय पशु प्रदर्शनी का आयोजन कुरुक्षेत्र में 6 से 8 फरवरी तक किया जा रहा है। डॉ. सहरावत ने बताया कि भिवानी जिला से 180 उत्तम नस्ल के पशु प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। हर रोज भिवानी से चार बसें प्रदर्शनी में जाएंगी। बसों का रूट चार्ट सभी पशु चिकित्सकों के पास है, ये बसें पशुपालकों को निःशुल्क लेकर जाएंगी और वहां पर पशुपालकों के खाने का भी विशेष प्रबंध किया गया है। पशु चिकित्सक विजय सनसनवाल ने बताया कि हर ब्रीड के पशुओं के विजेताओं को पुरूस्कृत किया जाएगा। विजेता पशुपालकों को मुख्यमंत्री स्वयं सम्मानित करेंगे।

सेलिब्रेशन/ शिखर चंद जैन

ये अनोखे फेस्टिवल्स यहां बच्चे करते हैं फुल मस्ती-धमाल

फेस्टिवल कोई भी हो, उसे सबसे अधिक एंज्वॉय बच्चे ही करते हैं। हम तुम्हें दुनिया भर में मनाए जाने वाले कुछ ऐसे फेस्टिवल्स के बारे में बता रहे हैं, जो कई मामलों में बहुत अनोखे हैं, यहां तुम खूब जम कर मस्ती कर सकते हो।

जस्ट सो फेस्टिवल, चेशायर इंग्लैंड

यह फेस्टिवल किसी जादुई जंगल में आ जाने जैसा है। यहां बच्चे और उनके माता-पिता भालू, लोमड़ी और शेर के गेटअप में जंगलों में कैंपिंग करते हैं। इस उत्सव का मुख्य आकर्षण 'कहानियों का जंगल' यानी एक काल्पनिक दुनिया

है। यहां बच्चों और उनके माता- पिता को संगीत, कला और साहित्य के माध्यम से अलग-अलग किरदारों को जीने का मौका मिलता है। ट्राइबल टूर्नामेंट यहां की सबसे प्रसिद्ध परंपरा है। इसमें भाग लेने वाले लोग लोमड़ी, मेंढक, उल्लू या मछली जैसे विभिन्न 'कबीलों' में बंट जाते हैं। इस फेस्टिवल में पूरे वीकेंड तरह-तरह की प्रतियोगिताएं होती हैं। यहां रात के समय कहानी सुनना, जंगलों के बीच कलाकृतियां बनाना, लाइव म्यूजिक, डांस और थिएटर जैसी एक्टिविटीज शामिल हैं। यह फेस्टिवल इंग्लैंड के चेशायर में सुंदर उद्यानों और जंगलों में आयोजित किया जाता है, जो इसे एक परिकथा जैसा माहौल देता है। इस साल यह उत्सव 21 से 23 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। *

कैंप बेस्टिवल, डोरसेट यूके

बच्चों के लिए खास आकर्षण कैंप बेस्टिवल को विशेष रूप से 'फैमिली फ्रेंडली' फेस्टिवल माना जाता है। इस साल इसे 'सीसाइड' (समुद्र के पास) थीम के साथ मनाया जाएगा। इस बार के फेस्टिवल में बच्चों के चहेते मिस्टर टम्बल, ब्लिपी और मिस्टर मेकर लाइव शो करेंगे। साथ ही 'हॉरिबल हिस्ट्रीज' की टीम इतिहास को मजेदार अंदाज में पेश करेगी। यहां म्यूजिक के अलावा 100 से अधिक एक्टिविटीज होंगी, जिनमें सर्कस वर्कशॉप, साइंस शो, आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स और एडवेंचर स्पोर्ट्स शामिल हैं। यहां आए लोग अपनी फैमिली के साथ टेंट या लग्जरी कैंप्स में ठहर सकते हैं। यह चार दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम इस साल 30 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक यूके के डोरसेट में ऐतिहासिक लुलवर्थ कैसल मैदानों में आयोजित किया जाएगा। *

सांता क्रूज डी टेनेरिफ, कैनरी द्वीप स्पेन

स्पेन के इस द्वीप पर कार्निवल के दौरान बच्चों की अपनी अलग प्रतियोगिताएं होती हैं। छोटे बच्चों की अपनी 'क्वीन' चुनी जाती है, जो भारी और बेहद सुंदर गाउन पहनती है। यहां की 'मर्गस' नाम की संगीत मंडलियां बच्चों के लिए मजाकिया गाने गाती हैं। बच्चों के लिए खूब मौज-मस्ती भरा होता है यह फेस्टिवल। *

इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस फेस्टिवल ऑफ द आर्ट्स, सेंट अल्बर्ट कनाडा

यह कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के सेंट अल्बर्ट शहर में आयोजित होने वाला एक प्रतिष्ठित वार्षिक उत्सव है। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को विश्व स्तरीय कला, संगीत, थिएटर और नृत्य से रूबरू कराना है। यह मेला केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका लक्ष्य बच्चों की कल्पनाशीलता को जगाना और उन्हें सांस्कृतिक

विविधता के प्रति जागरूक करना है। यह उत्सव बच्चों के लिए किसी जादुई दुनिया से कम नहीं होता। इसमें दुनिया भर से आए कलाकार एक्रोबेटिक्स, कठपुतली शो, थिएटर और मैजिक शो पेश करते हैं। यहां बच्चे भी केवल दर्शक नहीं होते, बल्कि वे खुद कलाकार बनते हैं। मिट्टी के बर्तन बनाना, पेंटिंग, ड्रम बजाना और नृत्य जैसी कई इंटरैक्टिव वर्कशॉप आयोजित की जाती हैं। यहां की स्टर्जन नदी के किनारे खुले मैदानों में चेहरे पर पेंटिंग, गुब्बारे की कला और सड़क किनारे होने वाले करतब बच्चों का मन मोह लेते हैं। यह उत्सव कनाडा की बहुसांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है। इसमें स्वदेशी कलाकारों के प्रदर्शन और कहानियों को विशेष स्थान दिया जाता है, जिससे बच्चे अपनी जड़ों और अन्य संस्कृतियों को समझ सकें। यह उत्सव इस साल 29 मई से 1 जून तक आयोजित किया जाएगा। *

गोवा कार्निवल, गोवा भारत

बच्चो, अपने देश में भी कई रंग-बिरंगे और ज्वॉयफुल फेस्टिवल्स मनाए जाते हैं। गोवा कार्निवल भी किसी विदेशी फेस्टिवल से कम नहीं है। यहां हर साल एक स्थानीय व्यक्ति को 'किंग मोमो' चुना जाता है। किंग मोमो को कार्निवल्स का राजा माना जाता है। किंग मोमो के आदेश पर ही गोवा कार्निवल की शुरुआत होती है। इस मेले में सड़कों पर झांकियां निकलती हैं। बच्चे चमकीले कपड़े पहनकर सड़कों पर गिटार और ड्रम बजाते हैं। यह त्योहार हमें सिखाता है कि खुश रहना ही सबसे बड़ा उत्सव है। इस वर्ष गोवा कार्निवल 13 से 17 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। *

अनोखा जंतु / अंजू जैन

बच्चो, प्रकृति में अनोखी शारीरिक विशेषताओं से युक्त अनेक जीव-जंतु, कीट-पतंगे पाए जाते हैं। ऐसा ही एक जंतु है ओलियंडर हॉक। इसकी कई प्रजातियां पाई जाती हैं। इसकी कौन-सी विशेषताएं हैं, यह कहां-कहां पाया जाता है, जानो।

छिपने में माहिर सुंदर-आकर्षक ओलियंडर हॉक

बच्चो, दिखने में बहुत ही सुंदर और अद्भुत शारीरिक क्षमता वाला पतंगा है ओलियंडर हॉक। यह शिकारियों से छिपने की कला में बहुत माहिर होता है। इसका वैज्ञानिक नाम 'डैफनीस नेरी' है। इसे 'आक का पतंगा' भी कहा जाता है, क्योंकि इसके कैटरपिलर (लार्वा) आमतौर पर आक के पौधों पर पाए जाते हैं। इसे 'हॉक-मॉथ' या 'स्फिंक्स मॉथ' के नाम से भी जाना जाता है। इसकी लगभग 1,450 प्रजातियां पाई जाती हैं।

शारीरिक रंग-रूपः ओलियंडर हॉक के पंखों का फैलाव लगभग 9 सेंटीमीटर से 13 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि इसके रंग अलग-अलग होते हैं, लेकिन इसके पंख आमतौर पर हरे और जैतून के रंग के पैटर्न से बने होते हैं। इससे इसका रंग-रूप सैनिकों की वर्दी जैसा दिखता है। इसीलिए इसे 'आर्मी ग्रीन मॉथ' के नाम से भी जाना जाता है। इसके प्रत्येक पंख पर भूरे और सफेद रंग की धारियों वाली आंखों जैसी संरचना होती है। यह पतंगा अपनी रंग-बिरंगी खूबसूरत कैमोफ्लॉज डिजाइन के लिए जाना जाता है। इसके पंखों पर हरे, गुलाबी और सफेद पैटर्न बने होते हैं, जो इसे पत्तों के बीच छिपने में मदद करते हैं।

ओलियंडर हॉक के कैटरपिलरः आमतौर पर ओलियंडर हॉक के कैटरपिलर लाल-भूरे और काले रंग के होते हैं, जिसके पूरे शरीर पर सफेद धब्बे होते हैं। ये पुदीने जैसे हरे, लाइम ग्रीन या नीले रंग के भी होते हैं। लार्वा के शरीर पर बड़े-बड़े आंख जैसे धब्बे होते हैं, जो शिकारियों को डराने के लिए आकार में बढ़ते हैं। इसके शरीर के पिछले हिस्से पर एक मांसल सींग भी होती है, जो पीले या काले रंग की होती है। ओलियंडर हॉक में उड़ने और तेजी से मंडराने की अच्छी क्षमता होती है। एक वयस्क ओलियंडर हॉक-मॉथ का जीवनकाल लगभग 10-30 दिनों का होता है। वयस्क होने से पहले यह अंडे, लार्वा, प्यूपा जैसे विभिन्न चरणों से गुजरता है।

कहां-कहां पाया जाता हैः ओलियंडर हॉक उत्तरी अफ्रीका, एशिया और यूरोप के कई हिस्सों में मूल रूप से पाए जाते हैं। यह एक प्रवासी प्रजाति है, इसलिए यह अपने मूल क्षेत्र के बाहर भी पाया जा सकता है। यह गर्म इलाकों में रहना पसंद करता है। ये ज्यादातर समय पहाड़ियों और झाड़ियों पर बिताते हैं। ये शाम ढलने के बाद सबसे ज्यादा सक्रिय होते हैं। ये आमतौर पर मानव बस्तियों के पास रहने पर प्रकाश स्रोत की ओर आकर्षित होते हैं।

क्या है भोजनः ओलियंडर के कैटरपिलर आक के पत्तों को खाते हैं। वयस्क ओलियंडर हॉक विभिन्न फूलों के रस से अपना भोजन प्राप्त करते हैं। यह रस पीने के लिए हमिंगबर्ड की तरह फूलों के ऊपर मंडराते रहते हैं। चमेली, विंका, पेटुनिया और हनीसकल (मधुमालती) जैसे फूलों को ये विशेष रूप से पसंद करते हैं। *

बालगीत / सिराज अहमद

चाचू तफरीबाज

अपने चाचू हैं
मजाकिया थोड़े तफरीबाज
नाटक करते ऐसा
कि तुम उनको समझ न पाओ
झूठमूठ गुस्साते
फिरते, उलझन में पड़ जाओ
फिर हंसते तो
दादी बोले आ जाओ तुम बाज
कभी रात में
बनकर काला भूत डराते हमको
कभी-कभी
आंगन में यूं ही बस दौड़ाते हमको
कभी निकाले
मुंह से बंदर-बिल्ली की आवाज
छुपम-छुपाई
खेले बनकर, हम जैसे ही बच्चे
हम कहते हैं
चाचू अपने, जग में सबसे अच्छे
उनको हमसे
प्यार बहुत है, हमको उन पर नाज

बूझो तो जानें

1 तरल रूप में पाया जाऊं,
जीवन का पर्याय कहाऊं।
ठोस रूप भी मैं ले सकता,
गर्म करो तो मैं उड़ जाऊं।

2 लता में लगने वाला पता,
शौक से खाया जाता।
कत्थे-चूने की परतों से,
खूब सजाया जाता।

3 चपर-चपर चरती है चारा,
मैं-मैं कर मिमियाए।
दूध बड़ा गुणकारी देती,
बोलो क्या कहलाए?

- वसीम अहमद नगरामी

उत्तर: 1. पानी, 2.पान, 3. बकरी

जीके क्विज-191

1. देश की वर्तमान वित्त मंत्री कौन हैं?
2. पुरुष हॉकी इंडिया लीग 2026 का खिताब किसने जीता है?
3. 'दिल्ली चलो' का नारा किसने दिया था?
4. 500 सिंगल्स मुकाबले जीतने वाली पहली भारतीय शटलर कौन बन गई है?
5. रात में दिखाई पड़ने वाला सबसे चमकीला तारा कौन-सा है?
6. पृथ्वीराज चौहान कहां के शासक थे?
7. स्वतंत्र भारत के पहले वित्त मंत्री कौन थे?
8. 'आनंदमठ' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?
9. सफेद सोना (व्हाइट गोल्ड) किसे कहा जाता है?
10. हीराकुंड बांध किस राज्य में स्थित है?

बच्चों, जीके क्विज-191 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-190 का उत्तर : 1.साइना नेहवाल, 2.आर्यन वार्ष्णेय, 3.राजनाथ सिंह, 4.शाहजहां, 5.शुभांशु शुक्ला, 6.पद्म विभूषण, 7.टोकोफेरॉल, 8.विटामिन डी, 9.वृहस्पति, 10.बछेंद्री पाल

जीके क्विज-190 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, रमेश-बैकुंठपुर, दारा-महासमुंद, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, श्रेया-दामोह, शुभम-बलौदा बाजार, गुंजा-रायपुर, अंकित-दुर्ग, सारिका-रायपुर, नेहा-भोपाल, ज्योति-बैकुंठपुर

घर में आदमी, गाय, कुत्ते ने साथ-साथ कैसे रहना शुरू किया, इसके पीछे बड़ी रोचक कहानी है। बच्चो, तुम भी इसको जानो।

कहानी घर, पेड़ और गाय की

कहानी
समीर गांगुली

एक घर, एक पेड़ और एक गाय तीनों अड़ोसी-पड़ोसी थे। पेड़ को रात में चलने की बीमारी थी। घर में कोई मनुष्य नहीं रहता था। वह जब-तब आवाज देकर लोगों को अपने यहां रहने के लिए बुलाया करता था। जब कोई आ जाता तो घर तरह-तरह की करतूतों से उसे डराता और रात-बेरात भगा देता था। गाय को गाने का बड़ा शौक था, वह सारा दिन अपनी धुन में गाती रहती थी। लेकिन बड़ा बेसुरा गाती थी, सो कोई उसके पास नहीं फटकता था।

बस थोड़ी दूर एक कुत्ता भी रहता था, जो दूर से ही इन तीनों की हरकतों को देखता रहता था। एक दिन खूब जोर से बारिश आई, पेड़ नाचने लगा। गाय डर कर चुप हो गई और घर ने आवाज देकर बारिश में भीगते कुत्ते को बुलाया। कुत्ता भीगता-भीगता घर के अंदर पहुंचा। घर के बीचोंबीच एक दरी बिछी थी। कुत्ता जाकर उस पर बैठ गया। उसे वहां बैठ कर बड़ा अच्छा लगा। खिड़की से नाचते पेड़ को देखा तो पेड़ ने उसे बाहर आकर नाचने का न्योता दिया। वह बाहर गया तो नहीं, मगर पेड़ का नाच उसे पसंद आया। इसके बाद गाय पर नजर पड़ी तो डरी गाय को देखकर उसकी मदद करने का मन हुआ। उसने गाय की तरफ देखकर एक लंबी सी आवाज निकाली, जिसे गाय ने कुत्ते का गाना समझा और वह भी उछल कर जोर-जोर से गाने लगी। वही बेसुरा गाना और गाते-नाचते घर के दरवाजे तक आ गई। घर धूल-मिट्टी और कबाड़ से भरा था। कुत्ते ने झाड़ियों का एक झाड़ू बनाया और घर को साफ कर दिया। इससे घर खुश हुआ, वह बोला, 'आज से हम सब दोस्त। अब हमारे सुख-दुख साझा हैं।'

कुत्ता खुश हो गया। उसे बहुत दिनों बाद किसी से बात करने का मौका मिल रहा था। वह तुरंत बोला, 'ठीक है, हमारे सुख-दुख हैं क्या?

गाय ने सिर हिलाकर कहा, 'मुझे तो पता नहीं।'

घर हंसा और बोला, 'चलो किसी आदमी को बुलाते हैं। वही हमें सुख और दुख दोनों देगा।' और फिर वे आदमी का इंतजार करने लगे। एक दिन आदमी आया और उसने घर से पूछा, 'क्या मैं यहां थोड़ी देर विश्राम कर सकता हूं? बस आज रात?'

कुत्ते ने आदमी का एक चक्कर लगाकर पूछा, 'मगर तुम्हारी गठरी में क्या है?'

आदमी बोला, 'सुख और दुख।'

यह सुनकर घर, कुत्ता और गाय एक साथ बोले, 'हां-हां, क्यों नहीं! चाहो तो हमेशा के लिए रह जाओ।' तब से आदमी, घर, कुत्ता और गाय साथ-साथ रहते हैं। सुख-दुख मिल कर सहते हैं। *

कहानी
मोहम्मद अरशद खान

एक दिन मम्मी की तबीयत बिगड़ी तो दिल्लू ने दादी की मदद से उनके लिए दलिया बनाई। अपने लिए पिज्जा ऑर्डर कर दिया। लेकिन इस ऑर्डर को उसने कैंसिल कर दिया। उसने भी मजे से दलिया खाई। आखिर दिल्लू का मन कैसे बदल गया?

दिल्लू ने बनाया दलिया

दादी को दम-आलू अच्छा लगता है। पापा को शाही पनीर बहुत पसंद है। मम्मी के लिए राजमा-चावल के आगे सब बेकार। पर दिल्लू को क्या पसंद है...? कुछ नहीं। दाल में मजा नहीं आता। गोभी अजीब लगती है। बैंगन बेकार है। लौकी-कद्दू का तो कोई नाम भी न ले। पालक, परवल, भिंडी कुछ भी अच्छा नहीं लगता।

आज मम्मी को बुखार आ रहा है। सुबह से बिस्तर पर पड़ी हुई हैं। कामवाली बुआ गांव गई हैं। उनकी बेटी की शादी है। पापा ड्यूटी गए हैं। घर पर अकेली दादी हैं। तो फिर खाना कौन बनाएगा? दिल्लू बेफिक्र है। दादी का व्रत है। इसलिए वह सिर्फ फल खाएंगी। फ्रिज में ढेर सारे फल पहले से रखे हैं। अपने लिए वह पिज्जा ऑर्डर कर लेगा। लेकिन मम्मी...? वह क्या खाएंगी? डॉक्टर ने कहा है सिर्फ हल्का-फुल्का खाना दे सकते हैं- जैसे दलिया। 'हां, यही ठीक रहेगा। मम्मी के लिए दलिया बना दूंगा। अपने लिए डबल चीज पिज्जा ऑर्डर कर देता हूं।' दिल्लू ने सोचा। लेकिन दलिया बनाना तो उसे आता नहीं। 'कोई बात नहीं दादी से पूछ लूंगा।' सोचता हुआ दिल्लू किचन में जा पहुंचा। 'सबसे पहले क्या करना होगा...?' उसने दादी को जोर से आवाज लगाते हुए पूछा।

दादी मुश्किल से चलती हुई किचन में आईं। दिल्लू उनके बैठने के लिए कुर्सी ले आया। दादी बैठती हुई बोलीं,'सबसे पहले एक साफ पैन लेना होगा। फिर चूल्हा जलाना होगा...।' 'उफ, दादी ये सब तो मालूम है। उसके आगे बताइए।' दिल्लू चिढ़कर बोला। 'तो फिर एक कटोरी दलिया लो और पैन में हल्की आंच पर इसे भून लो।' उसके खीझने पर दादी हंसते हुए बोलीं।

दिल्लू दलिया भूनने लगा। बीच-बीच में पूछता, 'अब बस करूं?'

दादी कहतीं, 'थोड़ा और, जब खुशबू आने लगे।' 'अब आगे क्या करना है?' दलिया भूनने के बाद दिल्लू ने पूछा।

दादी ने बताया, 'अब देसी घी की छौंक लगानी है।' 'लेकिन घी कहां रखा है?' दिल्लू ने पूछा। 'ये तो मुझे भी नहीं पता, मम्मी से क्यों नहीं पूछ लेते?' दादी ने कहा। 'श... श... श... उन्हें सरप्राइज देना है।' दिल्लू ने होंठों पर अंगुली रखते हुए कहा। कई मर्तबानों के ढक्कन खोलने के बाद घी मिला। अब लौंग-इलायची ढूंढना इससे भी मुश्किल काम था। पर उसने ढूंढ निकाला। अब जरूरत थी, दूध और शक्कर की। यह ढूंढना थोड़ा आसान था। दिल्लू दलिया बनाने में कसर नहीं छोड़ना चाहता था। ताकि मम्मी को भी पता लगे, वह कितना अच्छा कुक है। अखिरकार दलिया बनकर तैयार हो गया। लेकिन इतने से काम में दिल्लू के पसीने छूट गए। हाथ जलते-जलते बचा और कपड़े भी गंदे हुए, पर वह खुश था।

'थोड़ा ठंडा हो जाने दो, फिर परोस देना।' दादी उसकी पीठ थपथपाती हुई कमरे में चली गईं। मम्मी अभी सो रही थीं। दिल्लू ने सोचा क्यों न दलिया चखकर देखा जाए। पहली बार खुद से कोई चीज बनाई है। पता नहीं कैसा स्वाद हो। मम्मी को अच्छी लगे न लगे। उसने कटोरे में दलिया निकाला। डरते-डरते एक चम्मच मुंह में रखा। स्वाद पाते ही उसका चेहरा खिल उठा। दलिया तो बहुत अच्छा बना था। 'वाह क्या स्वाद है!' एक चम्मच... दो चम्मच... तीन चम्मच... वह खाता ही रहा। 'मम्मी के लिए दोबारा बना लूंगा।' उसने सोचा।

दादी बाथरूम से लौट रही थीं। दिल्लू को देखकर बोलीं, 'तुम तो कहते थे तुम्हें दलिया पसंद नहीं है।' 'पर आज से अच्छा लगने लगा है।' दिल्लू हंसकर बोला।

'लेकिन तुमने पिज्जा ऑर्डर किया था। उसका क्या होगा?' दादी को भी हंसी आ गई। 'वह ऑर्डर तो मैंने कैंसिल कर दिया।' दिल्लू ने कहा और पैन में बचा दलिया कटोरे में उड़ेल लिया। *

रंग भरो-195

रंग भरो-195 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

सरस्वती, दिल्ली

वेदिका, कोरबा

डिपल, दुर्ग

पूर्वी, खैरागढ़

कल्पित, बालोद

श्रुति, भिवानी

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

पयोधि-अंबिकापुर, आन्या-दुर्ग, आदित्य-खैरागढ़, अनुभव-सूरजपुर, चेतन-दुर्ग, धरनी-दुर्ग, प्रतिभा-सारंगढ़ बिलाईगढ़, खुशी-रोहतक, रितेश-मटियारी, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, आकाश-बलौदा बाजार

रंग भरो 196

बच्चो, यहां एक क्यूट-से पांडा का ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

सिंथेटिक ट्रैक पर 9.69 करोड़ रुपये होंगे खर्च

आरटीआर स्टेडियम में तेजी से बन रहा सिंथेटिक ट्रैक, अप्रैल के बाद रात में भी दौड़ सकेंगे एथलीट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर के दिल्ली रोड स्थित राव तुलाराम स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक बनाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। एथलीटों को आगामी अप्रैल माह में सिंथेटिक ट्रैक की सुविधा मिलने की पूरी उम्मीद है। स्टेडियम में ट्रैक बनाने के लिए जमीन को समतल करके दो लेयर डाली जा चुकी है। अब तारकोल की लेयर डालने का कार्य किया जाएगा, जिसके बाद सिंथेटिक ट्रैक की लेयर तैयार होगी। सिंथेटिक ट्रैक पर 9.69 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे है। ट्रैक पर फ्लड लाइट भी लगाई जाएगी, जिसके लिए पहले ही 65 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। फ्लड लाइट से रात के समय भी इवेंट कराए जा सकेंगे। साथ ही खिलाड़ी भी रात में प्रैक्टिस कर सकते हैं। सिंथेटिक ट्रैक बनने से धावकों को प्रेक्टिस करने में आसानी होगी।

■ 65 लाख रुपये से लगाई जाएंगी फ्लड लाइटें

रेवाड़ी। आरटीआर स्टेडियम में तैयार हो रहा सिंथेटिक ट्रैक तथा तैयार होने के बाद ऐसा होगा सिंथेटक ट्रैक। फोटो : हरिभूमि

खिलाड़ियों की ओर से लंबे समय से की जा रही थी मांग

जिले में उच्चस्तरीय ट्रैक न होने के बावजूद भी पिछले पांच से सात वर्षों में जिले के कई खिलाड़ी स्टेट, नेशनल के अलावा पैरा एथलेटिक्स में भी एशियन मेडल प्राप्त कर चुके हैं। खिलाड़ियों की ओर से भी सिंथेटिक ट्रैक के लिए लंबे समय से मांग की जा रही थी। प्रदेश के गुरुग्राम, फरीदाबाद, रोहतक, अंबाला, सोनीपत, पानीपत, भिवानी, पंचकूला, यमुनानगर, करनाल, कुरुक्षेत्र, हिसार और जींद के नरवाना में सिंथेटिक ट्रैक बना हुआ है। अब रेवाड़ी में भी सिंथेटिक ट्रैक तैयार होने के बाद खिलाड़ियों को काफी सुविधा मिलेगी।

400 मीटर के सिंथेटिक ट्रैक में होंगी 8 लेन

सिंथेटिक ट्रैक एक खास तरह की रबर को कुसिंग करके बनाया जाता है। ट्रैक बनाने के लिए पहले मिट्टी और रोड़ी की कई परतें बिछाई जाती हैं। उसके बाद लेवलिंग करने का काम किया जाता है। इसके बाद घास भी लगाई जाती है, ताकि ट्रैक पर धूल-मिट्टी एकत्रित न हो। इसके बाद ट्रैक के चारों ओर रेलिंग लगाई जाती है ताकि धावकों के अलावा काई अन्य व्यक्ति ट्रैक पर न आ सके। इन सब कार्यों के बाद अंत में ट्रैक बिछाया जाता है। जिला मुख्यालय पर बन रहे 400 मीटर के सिंथेटिक ट्रैक में 8 लेन होगी। इस ट्रैक की 1 लेन की चौड़ाई 1.22 मीटर से 1.25 मीटर के करीब होगी।

अप्रैल तक ट्रैक तैयार होने की उम्मीद

राव तुलाराम स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है। अप्रैल तक ट्रैक के तैयार होने की पूरी उम्मीद है। सिंथेटिक ट्रैक बनने से जिले के खिलाड़ियों को काफी सुविधा मिल सकेगी।

- ममता यादव, खेल अधिकारी, रेवाड़ी।

बरसात में भी प्रैक्टिस कर सकेंगे एथलीट

सिंथेटिक ट्रैक पर दौड़, लॉन्ग जंप, हाई जंप, गोला फेंक व भाला फेंक सहित 100 मीटर से लेकर 10 हजार मीटर तक दौड़ हो सकेंगी। पुरुषों की 24 और महिलाओं की 23 विधाएं इस पर कराई जा सकती है। अकेले दौड़ के ही कई इवेंट होते हैं। जिले के खिलाड़ियों को अब अन्य जगह प्रैक्टिस के लिए नहीं जाना पड़ेगा। बरसात में भी प्रेक्टिस कर सकेंगे।

शिविर में एसडीएम विजय ने सभी शिकायतों का किया समाधान

कोसली। एसडीएम विजय कुमार यादव ने वीरवार को कोसली के लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में शिकायतों की सुनवाई करते हुए अधिकारियों को प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में आई एक भी शिकायत एक सप्ताह से अधिक समय तक लंबित नहीं रहनी चाहिए। समाधान शिविर में गांव सुरहेली निवासी बाबूलाल यादव ने दूषित पानी की निकासी नहीं होने शिकायत दी। शिविर में मनीषा, अनिल व विनोद न गांव भाकली के विवेकानंद स्कूल के आसपास गली में जलभराव की समस्या के समाधान की मांग की। गांव उष्मापुर निवासी श्रीभगवान व गांव गुर्जरवास निवासी सरोज देवी ने फैमिली आईडी में इनकम कम कराने का अनुरोध किया। इस अवसर पर डीएसपी विद्यानंद, बीडीपीओ जाटूसाना सुनीता, बिजली वितरण निगम के एसडीओ सुमित कुमार, उप अधीक्षक राजेश कुमार, दल सिंह आर्य, रणधीर सिंह, संदीप यादव व भूपेंद्र शर्मा मौजूद थे।

कुलपति ने आईजीयू के निर्माणाधीन खेल परिसर भवनों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी ने इनडोर और आउटडोर खेल परिसर का निरीक्षण किया। इस मौके पर कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह भी उपस्थित थे। इस मौके पर कुलपति ने हरियाणा पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन के एक्सईएन अंकुर हुड्डा, इंजीनियरिंग शाखा एवं खेल विभाग से संबंधित सभी अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इनडोर एवं आउटडोर खेल परिसर के कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए ताकि खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिए जल्द सर्वोत्तम खेल सुविधाएं मिल सके। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए खेलों का जीवन में बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने विश्वविद्यालय के राव तुलाराम भवन, यूआईटी भवन की पार्किंग का भी निरीक्षण किया।

कॉलोनियों में पेयजल लाइन से हो रहा रिसाव, घरों में पहुंच रहा दूषित पानी

कोसली। कोसली में जनस्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के कारण लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं, लेकिन विभाग की ओर से इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कोसली स्टेशन क्षेत्र की शिव कॉलोनी व विश्वकर्मा कॉलोनी की गलियों में जगह-जगह पेयजल आपूर्ति की सर्विस लाइनों पानी का रिसाव हो रहा है तथा सड़क पर जमा पानी वापस जलापूर्ति पाइप लाइन में चला जाता है, जिसके कारण पेयजल दूषित हो रहा है। विभाग को बार बार सूचित करने के बाद भी समस्या के समाधान की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। लोगों को आशंका है कि यहां भी इंदौर जैसा हादसा हो सकता है। विश्वकर्मा कॉलोनी निवासी देवेंद्र शर्मा, राधेश्याम व हिमांशु व शिव कॉलोनी निवासी गौरव, तेजपाल गर्ग व अशोक ने बताया कि विभाग के जेई को कई बार पेयजल लीकेज की समस्या के समाधान के लिए अनुरोध किया जा चुका है। लोगों ने प्रशासन से इस गंभीर समस्या का निराकरण करने की मांग की है। विभाग के कार्यकारी अभियंता अशोक कुमार ने कहा कि यदि कॉलोनियों में विभाग की लाइनों में पेयजल की लीकेज है तो उसकी जांच कराकर ठीक कराई जाएगी।

कैडेट्स ने किया जयपुर का शैक्षिक भ्रमण

■ इतिहास, संस्कृति और विरासत से हुआ साक्षात्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुंड

गोठड़ा स्थित सैनिक स्कूल के कक्षा सातवीं, आठवीं, नौवीं एवं ग्यारहवीं के कैडेट्स ने आर्मी की साउथ वेस्टर्न कमांड एवं राजस्थान की राजधानी जयपुर का दो दिवसीय शैक्षिक भ्रमण किया। भ्रमण का उद्देश्य कैडेट्स को सशस्त्र बलों के लिए तैयार करना तथा भारत की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं स्थापत्य विरासत से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराकर उनके सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना था। भ्रमण के दौरान कैडेट्स ने आमेर, जयगढ़ एवं नाहरगढ़ किला, सिटी पैलेस, जंतर-मंतर, हवा महल, जल महल एवं फिजिक्स धाम जैसे ऐतिहासिक व शैक्षिक स्थलों का अवलोकन किया। इन स्थलों ने कैडेट्स को भारतीय इतिहास, शौर्य, वैज्ञानिक सोच तथा पारंपरिक स्थापत्य कला की समझ प्रदान कर उनकी जिज्ञासा और बौद्धिक रुचि को प्रोत्साहित किया। शैक्षिक भ्रमण के दौरान कैडेट्स को अनुशासन, सामूहिक जीवन, समय प्रबंधन एवं नेतृत्व जैसे जीवनोपयोगी गुणों का व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त हुआ। शिक्षकों ने प्रत्येक स्थल पर कैडेट्स के प्रश्नों का समाधान किया। इसके साथ ही कैडेट्स ने साउथ वेस्टर्न कमांड जयपुर का दौरा किया।

धार्मिक स्थलों पर उच्च गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरे लगाने पर जोर

■ बढ़ती चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस टीम ने महंत तथा मंदिर कमेटियों के सदस्यों के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले के मंदिरों में बढ़ती चोरी की घटनाओं को लेकर पुलिस ने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में पहल शुरू कर दी है। वीरवार को एसपी हेमेन्द्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन में जिले के सभी थानों व चौकियों के प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित मंदिरों एवं अन्य धार्मिक स्थलों में बैठकों का आयोजन किया, जिसमें मंदिरों के पुजारी, महंत तथा प्रबंधक कमेटियों के सदस्य मौजूद थे। पुलिस अधिकारियों ने धार्मिक स्थलों में सुरक्षा व्यवस्था की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। पुलिस प्रभारियों ने कहा कि अधिकांश मंदिरों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था न होने के कारण चोरों के निशाने पर आ जाते हैं।

लुहाना में धार्मिक आयोजन व कबड्डी प्रतियोगिता 11 को

रेवाड़ी। गांव लुहाना में 11 फरवरी को बाबा शिव भोले के 16वें भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यातिथि जिला प्रमुख मनोज यादव, समाजसेवी अनिल रायपुर व पार्षद भूपेंद्र खोला रहेंगे। मंदिर कमेटी के प्रधान नरेश यादव ने बताया कि 11 फरवरी को सुबह हवन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। इस दौरान पूजा राव और सुरेश गोला एंड पार्टी भजनों के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। विजेता टीम को 21 हजार, उपविजेता को 11 हजार और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 51 सौ रुपये का ईनाम देकर सम्मानित किया जाएगा।

खबर संक्षेप

हिंदू सम्मेलन को लेकर बैठक का आयोजन

रेवाड़ी। हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति की बैठक सेक्टर-4 में आयोजित की गई। बैठक में हिंदू सम्मेलन के कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर चर्चा की गई। बैठक में हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति केशव बस्ती नाम रखा गया, जिसमें सेक्टर-4, शक्ति नगर, कृष्णा नगर व राजीव नगर का क्षेत्र शामिल होगा। समिति के संरक्षक अशोक सोमाणी व संयोजक सुरेन्द्र यादव प्रधान सेक्टर-4 के मार्गदर्शन में हिंदू सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में सह संयोजक व कोषाध्यक्ष सहित विभिन्न उप समितियों का गठन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 22 फरवरी को सुबह 10:15 बजे किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान प्रभात फेरी, कलश यात्रा व हवन का आयोजन होगा।

गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने सरपंच का किया स्वागत

रेवाड़ी। गांव रामपुरा के सरपंच नरेश यादव को हरियाणा सरकार के पंचायत मंत्री ने पंचायत गौरव अवार्ड से सम्मानित किया है। गांव पहुंचने पर सरपंच नरेश उर्फ नरू का ग्रामीणों ने पगड़ी पहनाकर व फूल मालाओं से स्वागत किया। सरपंच ने इस सम्मान का असली हकदार ग्रामीणों, स्वस्थ कर्मियों, सफाई कर्मियों, आंगनबाड़ी और आशा वर्करों सहित ग्राम पंचायत के सदस्यों को बताया। उन्होंने कहा कि गांव में नशे पर पूरी तरह रोकथाम है। गांव में विकास कार्यों सहित लिंगानुपात के सुधार पर भी जोर दिया जा रहा है।

पुलिस टीम ने नशा छोड़ो, जिंदगी से नाता जोड़ो का दिया संदेश, विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

रेवाड़ी। पुलिस की ओर से नशा मुक्ति और समाजिक जागरूकता की दिशा में निरंतर प्रयास जारी हैं। निरीक्षक रामपाल के नेतृत्व में गठित नशा मुक्ति टीम ने वीरवार को गवर्नमेंट स्कूल गांव दखोरा, दड़ौली व सनसाइन स्कूल गांव बालधन कलां में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। इस अवसर पर नशा मुक्ति टीम ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। उन्होंने कहा कि नशा शरीर ही नहीं, बल्कि जीवन और समाज के लिए भी जहर है। उन्होंने युवाओं से अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। नशा मुक्ति टीम ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया तथा ट्रैफिक नियमों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आजकल अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी व पासवर्ड हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सड़क पर वाहन चलाते समय नियमों का पालन करना जरूरी है।

संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोपी काबू

बावल। कसोला थाना पुलिस ने पातुहेड़ा में रास्ता रोककर धमकी देने व संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में दर्ज मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ति की शिकायत के आधार पर गत 1 फरवरी को गांव के कई लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ति ने रास्ता रोककर धमकी देने व संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाए थे। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में पातुहेड़ा निवासी मोहन, दीपक व दीपचंद को गिरफ्तार कर लिया। बाद में तीनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

प्रोडक्शन वारंट पर लिए गुलेल गैंग के सदस्य

डहीना। सीआईए के हत्थे चढ़े चोरी के मामले में वांटेड आरोपियों को थाना खोल पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। सीआईए ने गत पखवाड़े महेंद्रगढ़ के पड़तल निवासी काली, विजय, अरुण और भिवानी के आलमपुर निवासी नरेंद्र को गिरफ्तार था। काली ने गुलेल गैंग बनाई हुई थी। इस गैंग के सदस्यों पर राजस्थान में कई मामले दर्ज हैं। थाना खोल पुलिस ने गत वर्ष जून माह में निमोठ गांव में हुई लाखों रुपये के जेवरात व नकदी की चोरी के मामले में आरोपियों को पूछताछ के लिए कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लिया है।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक आरोपी काबू

धारूहेड़ा। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने विवाहिता की शिकायत मिलने के बाद दोनों पक्षों को कई बार थाने बुलाकर काउंसलिंग कराई थी, ताकि उनके बीच समझौता हो सके।

रेवाड़ी। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाते हुए। फोटो : हरिभूमि

नशे की ओर बढ़ रही युवा पीढ़ी, जिसे रोकना सभी की जिम्मेदारी: बीके

रेवाड़ी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेवा केंद्र की ओर से नशा मुक्त भारत अभियान के तहत शहर व आसपास के गांवों में लोगों को जागरूक किया गया। उन्होंने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराकर इससे दूर रहने का संदेश दिया। सेवा केंद्र प्रभारी बीके बृजेश ने गांव बिठवाना व भाड़ावास के स्कूलों में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नशा आसानी से जीवन में प्रवेश कर जाता है, लेकिन उससे बाहर निकलना बेहद कठिन होता है। आज की युवा पीढ़ी तेजी से नशे की लत की ओर बढ़ रही है, जिसे रोकना हम सभी की जिम्मेदारी है। विद्यालय के प्राचार्य डा. दुष्यंत यादव ने कहा कि नशा एक गंभीर सामाजिक बुराई है। इससे बचाव के लिए युवाओं को जागरूक होकर समाज में बिगुल बजाना होगा, ताकि नशे की गिरफ्त में फंसे लोगों को नया जीवन दिया जा सके। नाईवाली चौक स्थित अहीर कॉलेज में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के साथ-साथ राजयोग मेडिटेशन की जानकारी दी गई। कॉलेज की प्राचार्य डा. उर्मिला शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी जीवन निर्माण का महत्वपूर्ण समय होता है। यदि इस दौरान युवा सही दिशा में आगे बढ़ें, तो वे समाज और देश का उज्ज्वल भविष्य बन सकते हैं।

पिकअप चालक के शव का दूसरे दिन हुआ पोस्टमार्टम

रेवाड़ी। थाना जाटूसाना पुलिस ने करंट की चपेट में आकर गाड़ी में ही जिंदा जले पिकअप चालक के शव का दूसरे दिन पोस्टमार्टम करा दिया। राजस्थान के अजीतगढ़ निवासी सांवरमल की गाड़ी पर लगे पाइप हाई टेंशन लाइन की चपेट में आ गए थे, जिससे उसकी गाड़ी के अंदर ही झुलसने से मौत हो गई थी।

मुद्दा अंतिम संस्कार के बाद ज्ञापन देने सीधे डीसी ऑफिस पहुंचे लोग

गाय के हमले में घायल महिला की मौत

■ बेसहारा पशुओं का इंतजाम व मालिकों का पता लगाकर कार्रवाई की उठाई मांग

■ गाय ने कृष्णा देवी को जमीन पर पटककर सींगों और पैरों से कई बार वार किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। डीसी ऑफिस पहुंचे मृतक महिला के परिजन व कॉलोनीवासी तथा मृतक महिला कृष्णा देवी का फाईल फोटो। फोटो : हरिभूमि

हंस नगर कॉलोनी में गत 3 फरवरी की रात एक बेसहारा गाय ने हमला करके करीब 55 वर्षीय महिला को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। महिला ने बुधवार देर सायं जयपुर के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। महिला का अंतिम संस्कार करने के बाद लोग अपने घरों को जाने की बजाय सीधे डीसी ऑफिस ज्ञापन देने के लिए पहुंच गए। लोगों ने प्रशासन से बेसहारा पशुओं का बंदोबस्त करने और पशुओं को खुला छोड़ने वाले मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई।

बीते मंगलवार को हंस नगर निवासी कृष्णा देवी अपने घर के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान एक बेसहारा गाय गली में पहुंच गई। गाय वहां खड़े एक व्यक्ति की ओर बढ़ रही थी। कृष्णा देवी ने उसे गाय से बचने के लिए कहा। इसी दौरान गाय ने कृष्णा देवी पर ही हमला बोल दिया। गाय ने इतना रौद्र रूप धारण किया कि कृष्णा देवी को जमीन पर पटककर सींगों और पैरों से कई बार वार किए। मोहल्ले के लोगों ने काफी देर तक प्रयास करने के बाद कृष्णा को गाय के चंगुल से बचाया। गंभीर रूप से घायल हुई कृष्णा को एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। परिजन उसे जयपुर के एक अस्पताल ले गए थे। बुधवार देर सायं कृष्ण देवी ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए हंस नगर ले आए।

प्रशासन के खिलाफ बढ़ा लोगों में रोष

अंतिम संस्कार में शामिल हुए हंस नगर में के लोगों में कृष्णा देवी की गाय के हमले से हुई मौत पर प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश देखा गया। यही कारण था कि अंतिम संस्कार के बाद कृष्ण देवी के परिजन और कॉलोनी के लोग सीधे जिला सचिवालय पहुंच गए। वहां उन्होंने अधिकारियों को ज्ञापन देकर मोहल्ले में घूमने वाले गोवंश को पकड़कर गोशाला में भिजवाने की मांग की। साथ ही उन्होंने डीसी से मांग की कि गायों को खुला छोड़ने वाले मालिकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि कृष्णा देवी पर हमला करने वाली गाय के मालिक का पता लगाकर उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाए।

ज्ञापन देने वालों में यह लोग रहे शामिल

अधिकारी को ज्ञापन सौंपने वाले लोगों में विकास छावड़ी, फूलसिंह, नवल सिंह, बलवंत, हरीश कुमार, अजय कुमार, राजेंद्र शर्मा, विजय कुमार, सोमेश, अजीत सिंह, कुलदीप, अजमेर सिंह, ब्रजमोहन, विष्णुराम, मोनू सैनी, राजकुमार व बलबीर सहित बड़ी संख्या में मोहल्ले के लोग शामिल थे। लोगों ने जिला सचिवालय पहुंचने के बाद प्रशासन के खिलाफ जबरदस्त नारेबाजी भी की। हंगामे की आशंका को देखते हुए मौके पर पुलिस बल भी तैनात किया गया, लेकिन लोग ज्ञापन देने के बाद लौट गए।

रवि मसीत ने पीएचडी के लिए परीक्षा की उत्तीर्ण

रेवाड़ी। रवि मसीत ने यूजीसी नेट परीक्षा में पीएचडी के लिए परीक्षा उत्तीर्ण की है। उन्होंने मास्टर डिग्री इतिहास विषय में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय से की है। उन्होंने कहा कि पीएचडी करना उनका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त करने के लिए मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, शिक्षकों और दोस्तों को दिया है।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने गत 3 फरवरी को हुए सड़क हादसे के बाद दर्ज मामले में आरोपी वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया। इस हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई थी। मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंपा गया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद वाहन चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए थे। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में जाडरा निवासी वाहन चालक बलवान को गिरफ्तार कर लिया।

खबर संक्षेप

शहीद रमेश रावमावि लोहानी को मिला पुरस्कार

भिवानी। मुख्यमंत्री सौन्दर्य पुरस्कार वर्ष 2025-26 के सीनियर सेकेंडरी स्तर पर लोहानी का राजकीय वमा विद्यालय विजेता रहा। इसकी घोषणा बीईओ कैरू महेन्द्र सिंह गिल ने की। उन्होंने बताया कि इसके लिए बीईओ महेन्द्र गिल, विकास मेहता, देवराला स्कूल के प्राचार्य व मॉडल संस्कृति स्कूल कैरू के प्राचार्य मदनसिंह के नेतृत्व में कमेटी बनाई गई थी। कमेटी ने अनेक स्तरों की जांच के बाद कैरू ब्लॉक स्तर पर शहीद रमेश कुमार राजकीय वमा विद्यालय लोहानी का प्रथम स्थान पर चयन किया, जिसकी घोषणा के बाद लोहानी स्कूल में उत्साह का माहौल हैं।

14 को लोहारू में होगा विराट हिन्दू सम्मेलन

लोहारू। 14 फरवरी को लोहारू अनाज मंडी में विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोग शिरकत करेंगे तथा सम्मेलन से पहले शहर में कलश यात्रा भी निकाली जाएगी। यह जानकारी समाज सेवी जितेंद्र जिंदल ने दी।

इग्नू ने दाखिलों की अंतिम तिथि बढ़ाई

चरखी दादरी। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ धर्म पाल ने बताया की इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि. विभिन्न कार्यक्रमों में शिक्षार्थियों को प्रवेश दे रहा है। डिप्लोमा कार्यक्रम उद्यमशील हैं और कृषि सम्बंधित क्षेत्रों में रोजगारपरक कौशल विकसित करने में सक्षम हैं। शैक्षिक कार्यक्रम डेयरी फार्मिंग, जैविक खेती, मधुमक्खी पालन, पोल्ट्री उत्पादन, रेशम उत्पादन, कृषि नीति, कृषि लागत प्रबंधन, जल और वाटरशेड प्रबंधन, डेयरी प्रौद्योगिकी, मांस प्रौद्योगिकी, फलों और सब्जियों से मूल्य वर्धित उत्पाद, बागवानी के उभरते क्षेत्रों में पेश किए जाते हैं। इनमें प्रवेश के लिए अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है।

चौ बंसीलाल कॉलेज में एथलीट मीट आज से

लोहारू। चौ बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में 6 फरवरी से दो दिवसीय 37वीं एथलीट मीट का आयोजन किया जाएगा। जिसमें एसडीएम मनोज दलाल बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में समाज सेवी दिलबाग दलाल शामिल होंगे। यह जानकारी प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार चहल ने दी।

सरपंच राजकुमार शर्मा को पितृशोक

भिवानी। गांव खरककलां के सरपंच राजकुमार के पिता पंडित हरबिलास शर्मा का निधन हो गया, उनका अंतिम संस्कार गांव के शमशान घाट में किया गया। उनके निधन पर अनेक राजनेताओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों व विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने उनके गांव खरक में आवास पर पहुंचकर शोक जताया। शोक जताने वालों में विधायक कपूर वाल्मीकि, पूर्व मंत्री बिशंबर वाल्मीकि, पूर्व विधायक शशी परमार, भाजपा जिला प्रधान विरेंद्र कौशिक, संदीप खरकिया, प्रदीप नरवाल, अनुराग शर्मा, प्रदीप शास्त्री, लोकेश बंटी, डा. बृजपाल पप्पू, अधिवक्त नरेंद्र परमार, डीएसपी संदीप शर्मा, सरपंच प्रतिनिधि प्रदीप कुमार, सरपंच रामचंद्र आदि शामिल रहे।

पवन ठाकुर बने भिवानी महेंद्रगढ़ लोस प्रभारी

भिवानी। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बसपा प्रमुख बहन मायावती के निर्देश तथा पार्टी नेतृत्व के निर्णय अनुसार प्रदेश सचिव पवन ठाकुर को भिवानी–महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से क्षेत्र में पार्टी संगठन को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। पिछले 22 वर्षों से राजनीति में सक्रिय पवन ठाकुर ने अपनी नियुक्ति पर कहा कि वे सर्व समाज को साथ लेकर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करेंगे।

मनरेगा को बचाने के लिए कांग्रेस ने किया हल्ला बोल प्रदर्शन

भाजपा के शासनकाल में रोजगार की गारंटी एक दिन की भी नहीं:अनिरूद्ध

■ कांग्रेस ने लघु सचिवालय के बाहर दिया एक दिवसीय सांकेतिक धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। लघु सचिवालय परिसर के बाहर सांकेतिक धरने के दौरान विरोध जताते कांग्रेसी तथा मनरेगा बचाने को लेकर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपते कांग्रेसी।

केंद्र की भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ हरियाणा कांग्रेस ने अब जमीनी स्तर पर मोर्चा खोल दिया है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को समाप्त करने की साजिश के विरोध में वीरवार को कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं ने लघु सचिवालय परिसर के बाहर जोरदार रोष जताया और उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम मांगपत्र सौंपा। लघु सचिवालय परिसर के बाहर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक कांग्रेसियो ने एक दिवसीय सांकेतिक धरना देकर सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों को लेकर जमकर रोष जताया। सांकेतिक धरना प्रदर्शन कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी व ग्रामीण जिलाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी के नेतृत्व में दिया। धरने में भारी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और मनरेगा मजदूरों ने शिरकत की। कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर गरीबों के हक छीनने का आरोप लगाया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि मनरेगा योजना को फिर से पूर्णरूप से बहाल किया जाए, मजदूरी का भुगतान समय पर सुनिश्चित हो, काम के दिनों की संख्या में कटौती करने की साजिश बंद हो।

यूपीए सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि

कांग्रेस के ग्रामीण जिलाध्यक्ष अनिरूद्ध चौधरी व शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी ने कहा कि मनरेगा कोई साधारण योजना नहीं, बल्कि देश के करोड़ों गरीब परिवारों की आजीविका का एकमात्र सहारा है। भाजपा सरकार इसे समाप्त करने की गहरी साजिश रच रही है। उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना यूपीए सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि थी, जिसने ग्रामीण क्षेत्रों में पलायन को रोका और लोगों को सम्मानजनक जीवन दिया, लेकिन भाजपा सरकार ने मनरेगा योजना को बंद कर मजदूर वर्ग के आत्मसम्मान पर चोट मारने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मनरेगा को बंद कर लाई गई जी रामजी में 125 दिन रोजगार देने की बात कही जाती है, जबकि भाजपा शासनकाल में रोजगार की गारंटी एक दिन की भी नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जो यूरोपीयन देशों से डील हुई है, उससे देश के किसानों का अहित हुआ है। इस मौके पर विधायक राजबीर फरटिया व पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले मनरेगा पर हमला करना सीधे तौर पर मजदूरों के पेट पर लात मारने जैसा है। सरकार की मजदूर विरोधी सोच अब पूरी तरह उजागर हो चुकी है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कांग्रेस नेता कमल सिंह प्रधान, पूर्व पार्षद ईश्वर मान, डॉ. शिव शंकर, सविता मान, नरेश तंवर, नीलम अग्रवाल, संदीप तंवर, कुलवंत कोंटिया, कुंवर बीरसिंह, सत्यजीत पिलानिया, अमन तंवर राघव, अशोक पार्षद, अजय हालुवासिया, ईश्वर प्रधान, दीपेश सारसर, अजय वैद, समीर खटीक, राजेंद्र धानक, बलजीत जोगी, मनदीप सुई, सुमित बराड़, राजकुमार धनखड़, संजय गांधी, शिवकुमार धानक व रमेश वाल्मीकि आदि मौजूद रहे।

घणघस खाप ने खेजड़ी बचाओ आंदोलन को दिया समर्थन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

राजस्थान के बीकानेर में खेजड़ी के पेड़ों को बचाने के लिए चल रहा खेजड़ी बचाओ महापड़ाव अब व्यापक जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है। इस मुहिम को अब घणघस खाप ने अपना पूर्ण समर्थन दिया है। खाप के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पर्यावरण की लड़ाई में वे कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़े हैं।

घणघस खाप के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमकुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आंदोलन को धार देने का निर्णय लिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नरेश मांढ़ी, हरियाणा प्रधान काला शेखपुरा, सत्यवान और राजेश सहित खाप के तमाम वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे। सभी ने एक सुर में कहा कि प्रकृति के साथ हो रहे खिलवाड़ को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। घणघस खाप के राष्ट्रीय प्रवक्ता नफेसिंह ने कहा कि खेजड़ी सिर्फ एक पेड़ नहीं है, यह हमारी संस्कृति, हमारी गहरी आस्था और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार है।

21वीं सदी के अनुरूप शिक्षण पद्धतियों को अपनाना जरूरी : जगबीर सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय में तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला मेधा के सहयोग एवं उच्च शिक्षा विभाग के साथ सहभागिता में महाविद्यालय परिसर में आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के संयोजक डॉ. अजीत कुमार ने बताया कि एफडीपी का मुख्य उद्देश्य अनुभावात्मक शिक्षण पद्धति एवं तकनीक के प्रभावी एकीकरण से कक्षा शिक्षण को अधिक व्यावहारिक, सहभागी एवं परिणामोन्मुख बनाना है। उद्घाटन सत्र के मुख्यतिथि प्राचार्य जगबीर सिंह रहे, जिन्होंने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में नवाचार, डिजिटल उपकरणों के उपयोग तथा

शिक्षक की बदलती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षण पद्धतियों को अपनाना समय की मांग है। कार्यशाला के सहसंयोजक डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. मदन सिंह एवं आयोजन समिति सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। इस एफडीपी में महाविद्यालय के कुल 45 संकाय सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही।

सांसद-मंत्रियों की बजाय किसान-मजदूरों की आय पर नजर गड़ाए बैठी भाजपा: तालु

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

■ बुजुर्गों की पेंशन काटने पर भड़का ग्राम स्वराज किसान मोर्चा

हरियाणा में बुजुर्गों को मिलने वाले सम्मान भत्ते (पेंशन) को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार एक बार फिर किसान संगठनों के निशाने पर है। ग्राम स्वराज किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जोगेंद्र तालु ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि सरकार प्रदेश के लगभग 37 हजार बुजुर्गों की पेंशन बिना किसी ठोस आधार के काटकर उनके साथ अन्याय कर रही है।

तालु ने कहा कि भाजपा सरकार बुजुर्गों के सम्मान भत्ते को डकारने की साजिश रच रही है। उन्होंने कहा कि सरकार सबका साथ-सबका विकास का नारा देती है, वहीं बुजुर्गों की लाठी छीनी जा रही है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन प्रदेश के निर्माण में लगा दिया। तालु ने तर्क दिया कि पेंशन काटना न केवल आर्थिक प्रहार है, बल्कि यह बुजुर्गों के सामाजिक सम्मान को भी ठेस पहुंचाने वाला कदम है। जोगेंद्र ने सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए एक तीखा तुलनात्मक हमला किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नजरें केवल गरीब किसानों और मजदूरों की मामूली आय पर गड़ी हुई हैं। सरकार कभी भी अपने सांसदों और मंत्रियों की आय या उन्हें मिलने वाली मल्टीपल पेंशनों की समीक्षा नहीं करती। तालु ने कहा कि एक तरफ रसूखदारों को तमाम सुविधाएं दी जा रही हैं, वहीं दूसरी तरफ पीपीपी में आय की त्रुटियों को बहाना बनाकर बुजुर्गों की पेंशन रोकी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी तंत्र ने 37 हजार बुजुर्गों को अपात्र घोषित कर दिया है।

सही मार्गदर्शन से मिलती है सफलता: प्राचार्य अनूप

भिवानी। पीएमश्री स्कूलों की खेल प्रतियोगिता भिवानी जिला में करवाई गई, जिसमें जिले के 14 पीएमश्री स्कूलों ने भाग लिया। गांव बजीणा स्थित पीएमश्री रावमावि के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल गतिविधियों में भाग लेते हुए 20 पदक हासिल कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया। विद्यालय पहुंचने पर पदक विजेता छात्रों का भव्य स्वागत किया। प्राचार्य अनूप सिंह पुनिया ने कि खेल केवल शारीरिक व्यायाम नहीं हैं, बल्कि ये मानसिक एकाग्रता और बौद्धिक विकास का भी सशक्त माध्यम हैं। हमारे विद्यार्थियों ने जिला स्तर पर 20 पदक जीतकर साबित कर दिया कि अनुशासन एवं सही मार्गदर्शन मिले, तो सफलता निश्चित है। प्राचार्य ने कहा कि खेल बच्चों में टीम वर्क, अनुशासन और साहस पैदा करते हैं।

राज्यपाल ने वैश्य कॉलेज के जतिन को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न व 21 हजार की राशि से नवाजा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय आयोजनों में वैश्य महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक जतिन शर्मा की उपलब्धियों के लिए चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर डॉ. दीप्ति धर्माणी व महाविद्यालय प्रबंधन, प्राचार्य डॉ. संजय गोयल एवं कॉलेज परिवार ने जताई खुशी है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने बताया कि हरियाणा लोकभवन चंडीगढ़ में एक भव्य 'राज्य-स्तरीय सम्मान समारोह' में बतौर मुख्यमिथि राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष व उच्चतर शिक्षा विभाग के एसीएस विनीत गर्ग ने स्वयंसेवक जतिन शर्मा को सम्मानित किया।

वैश्य महाविद्यालय के स्वयंसेवक जतिन शर्मा ने गणतंत्र दिवस परेड समारोह में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से

प्रदेश का नाम रोशन किया। राज्यपाल घोष ने जतिन को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न एवं 21 हजार की सम्मान राशि भेंट की। इस मौके पर जतिन के पिता पवन कुमार भी उपस्थित रहे। चौधरी बंसीलाल विवि की कुलपति डॉ. दीप्ति धर्माणी ने जतिन शर्मा की उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए एनएसएस समन्वयक प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार एवं स्वयंसेवक जतिन शर्मा को बधाई दी।

भिवानी। हड़ताल खतम होने के बाद कार्य करते पटवारी। *फोटो : हरिभूमि*

ड्यूटी पर लौटे पटवारी

पटवारखानों में बढ़ी रौनक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

चार दिनों की हड़ताल के बाद गुरुवार को पटवारी डयूटी पर लौट आए। पटवारियों के डयूटी पर आने के बाद पटवारखानों में रौनक नजर आई। कई दिनों से लोगों को पेंडिंग कार्यो को निपटाने में दिनभर पटवारी जुटे रहे। वहीं पटवारियों के कार्य पर लौटने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

लोगों को लगा था कि गुरुवार को भी पटवारी हड़ताल पर रहेंगे,लेकिन ऐसा नहीं हुआ। देर रात सरकार द्वारा निलंबित पटवारियों को बहाली के आदेश जारी कर दिए। उसके बाद आज सुबह पटवारियों ने धरना स्थगित करके डयूटी पर आने का ऐलान किया था। तय कार्यक्रम के हिसाब से पटवारी सुबह निर्धारित समय पर पटवारखाने में पहुंच गए और अपने पेंडिंग कार्य को पूरा करने में लगे रहे। आज अन्य दिनों की अपेक्षा पटवारखानों में लोगों की भीड़ ज्यादा रही। देर शाम पटवारी पेंडिग कार्य निपटाने में जुटे रहे। यहां यह बताते चले कि विगत में छह पटवारियों को निलंबित कर दिया था। उनके निलबन को वापस लिए जाने की मांग को लेकर पटवारी शुक्रवार से हड़ताल पर चले गए थे। तभी से उनके भूमि से संबंधित व अन्य कार्य पेंडिग थे। आज डयूटी पर आने के बाद काम करते रहे।

प्रतियोगिता — प्रत्येक खिलाड़ी खेल को खेल की भावना से खेले : सुरेंद्र ईशरवाल

पहले दिन घुसकानी ने लालावास की टीम को हराया, 40 टीमें स्पर्धा में हिस्सा लेने पहुंची

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

खेल और खिलाड़ी जब मैदान पर उतरते है तो उत्साह का माहौल दोगुना हो जाता है। कुछ ऐसा ही नजारा वीरवार को गांव पाथरवाली में देखने को मिला, जहां स्व. धनकौर देवी की पुण्यतिथि स्मृति के अवसर पर 5 दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज हुआ। इस टूर्नामेंट में कुल 40 टीमों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन समिति ने बताया कि टूर्नामेंट को व्यवस्थित रूप से चलाने के लिए टीमों को 5ग्रुपों में विभाजित किया गया था।

प्रत्येक गुरप में 8 टीमें रखी गईं। नियम के अनुसार हर गुरप से एक सर्वश्रेष्ठ टीम अगले दौर के लिए चुनी गई। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा नेता सुनील शास्त्री और आचार्य सुरेश शास्त्री द्वारा किया गया। उन्होंने खिलाडिय़ों से परिचय प्राप्त कर खेल की शुरुआत करवाई। वही विशिष्ट अतिथि के तौर पर उद्योगपति राजेंद्र

भिवानी। रिबन काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ करवाते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

शास्त्री पहुंचे। इस मौके पर मुख्यअतिथि भाजपा नेता सुनील शास्त्री और आचार्य सुरेश शास्त्री ने कहा कि खेल ना केवल शारीरिक विकास के लिए जरूरी हैं, बल्कि ये हमें अनुशासन और टीम भावना भी सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि धनकौर देवी की स्मृति में आयोजित यह प्रतियोगिता ग्रामीण प्रतिभाओं को एक बेहतरीन मंच प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं ग्रामीण परिवेश में छिपी प्रतिभाओं को आगे लाती है, जो कि भविष्य में देश का नाम रोशन करते है। ऐसे में इस प्रकार के आयोजन समय-समय पर बहुत जरूरी है। पांच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता के पहले दिन घुसकानी ने लालावास की टीम को, ओबरा ने लोहानी की टीम को, सिरसा घोघड़ा ने खोरड़ा की टीम को गुढाण ने सिसवाल की टीम को हराया। इस मौके पर सतबीर यादव, राकेश कुमार, रामचंद्र शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रतियोगिता के आयोजन में कमेटी के सदस्य राजा अत्री, शैकी, राकेश शर्मा, सतीश शर्मा, राजेश शर्मा, कपिल, नवीन शर्मा, जयभगवान, नितिश शर्मा, मनोहर शर्मा, उमेश कुमार, रामप्रसाद शर्मा, बालमुकंद का विशेष योगदान रहा।

हसनगढ़ टीम ने गुढा टीम को 45 रन से हराया

तोशाम। तोशाम के चौधरी सुरेंद्र सिंह खेल परिसर में शहीद भगत सिंह युवा क्लब द्वारा आयोजित दूसरी क्रिकेट प्रतियोगिता के पांचवें दिन वीरवार को दूर-दराज के क्षेत्र से आई टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले हुए। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे प्रसिद्ध समाजसेवी सुरेंद्र ईशरवाल ने मैच का टॉस करवाकर तथा खिलाड़ियों का परिचय लेकर मैच का शुभारंभ करवाया। इससे पहले आयोजक कमेटी द्वारा मुख्य अतिथि सुरेंद्र ईशरवाल का प्रतियोगिता में पहुंचने पर फूल-मालाओं व ढोल-नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान सुरेंद्र ईशरवाल ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक खिलाड़ी को प्रत्येक खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए खेल में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए। पांचवें दिन प्रथम मुकाबला चनाना तथा कालोद की टीम के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ जिसमें कालोद की टीम ने बाजी मारते हुए मैच अपने नाम किया। तत्पश्चात प्रतियोगिता का दूसरा मुकाबला गुढा और हसनगढ़ के बीच हुआ जिसमें हसनगढ़ की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 6 ओवर में 116 रन का पहाड़ जैसा लक्ष्य खड़ा कर दिया। जिसके जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी गुढा की टीम 6 ओवर में 71 रन ही बना पाई जिसके परिणाम स्वरूप हसनगढ़ की टीम ने मुकाबला 45 रन के अंतराल से जीत लिया।

न्यूज डायरी

कांग्रेस जिला महासचिव और जिला सचिव नियुक्त होने पर विधायक फरटिया का जताया आभार

लोहारू। हाल ही में कांग्रेस संगठन द्वारा लोहारू निवासी राम भगत सोलंकी को जिला महासचिव और महेंद्र बिधनोई को जिला सचिव के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों पदाधिकारियों ने गुरूवार को लोहारू के विधायक राजबीर फरटिया के स्थानीय आवास पर पहुंचकर खुशी जताई उनका आभार प्रकट किया। विधायक राजबीर फरटिया ने दोनों पदाधिकारियों को बधाई दी। कांग्रेस जिला महासचिव राम भगत सोलंकी ने कहा कि विधायक राजबीर फरटिया का निरंतर सहयोग, विश्वास और मार्गदर्शन ही उनकी इस नियुक्ति का आधार है। विधायक राजबीर फरटिया ने कहा कि जिला महासचिव राम भगत सोलंकी और जिला सचिव महेंद्र बिधनोई संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बधाई देने वालों में माई राम भक्त, कालूराम प्रधान, भोपाल सिंह चावला, संजय खंडेलवाल, हरपाल प्रजापत, शेरसिंह, होशियार सिंह, ओमप्रकाश, अमित, हुक्मी चंद, अमर सिंह, पवन, मंजीत, अमित डालमिया, संजय, प्रेम प्रकाश सोनी, रघुवीर, अमरचंद आदि शामिल रहे।

कैंसर दिवस पर विद्यार्थियों एवं स्टाफ को दी कैंसर की रोकथाम, निदान और उपचार पर जानकारी

भिवानी। सेक्टर 13 स्थित चौधरी बंसीलाल राजकीय बहुतकनीकी में गुरूवार को विश्व कैंसर दिवस पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। सामान्य अस्पताल के डॉ. डीके आहूजा ने छात्रों एवं स्टाफ को कैंसर की रोकथाम, निदान एवं उपचार पर विस्तृत जानकारी दी। डॉ आहूजा ने अपने व्याख्यान में छात्रों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरे विश्व में कैंसर अपने पाँव तेजी से फैलाता जा रहा है और इस बीमारी से सम्बन्धित आँकड़े अत्यंत भयावह हैं। उन्होंने खान-पान सम्बंधित त्याज्य वस्तुओं से दूर रहने पर जोर दिया और प्रदूषण रहित वातावरण में जीवन यापन करने की सलाह दी। इस अवसर पर संस्थान की प्राचार्या डॉ. गीता गुलिया, उपप्राचार्य बृजमोहन एवं फैकल्टी सदस्य हर्ष चौधरी, डॉ. सन्नी पन्नू आदि ने छात्रों और स्टाफ सदस्यों को संबोधित किया और कैंसर के लक्षण, जांच और उपचार के बारे में विद्यार्थियों से जागरूक रहने की अपील की। अन्त में संस्थान की प्राचार्या डॉ. गीता ने डॉ आहुजा को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

हलवासिया विद्या विहार हिंदी प्रश्नोत्तरी का आयोजन, भगत सिंह टीम ने मारी बाजी

भिवानी। हलवासिया विद्या विहार के प्राथमिक विभाग में हिंदी प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय प्राचार्य विमलेश आर्य, उप-प्राचार्य दीपक वशिष्ठ एवं प्राथमिक विभाग प्रमुख वीणापाणि महता अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में पाँच टीमों का गठन किया गया। जिसमें कक्षा चतुर्थ के पांच-पांच विद्यार्थी शामिल हुए। सबसे अधिक प्रश्नों के स्पष्ट और सही उत्तर देते हुए भगत सिंह टीम (निश्चय, निशिता,अवनी सुलक्षणा और हितांश) ने और प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य ने अपने उद्बोधन मे कहा कि इस तरह के कार्यकमों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि विकसित करना तथा उनके ज्ञान ,बौद्धिक क्षमता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना है।